

1 पञ्चनाथ पञ्चकारान 348/ वास्ते खदम जाणव  
देतु पञ्चवली दिना 18-6-24 को पेश हो।



पञ्चवली पेश हुई। वकील वादी अंतुपरिमत /  
वकील वादी को कई बार आपाज लगावाई गई किन्तु  
आपाज सत्रप रूढ़ उपरिमत नहीं हुई अतः यावा  
वकील अपम हाजरी के अपम परकी में खारिज किया  
जाता है। पञ्चवली फेमल सुमाए होकर वाच -  
तकनील चारिखल दफ्तर हो।



(सचिन पापव)  
R.A-5  
उपरवउ आवकारी वर.

पञ्चवली  
दिना 18-6-24  
उपरवउ आवकारी वर.